दिनांक ....

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, दिल्ली-एन.सी.आर.

अर्धवार्षिक परीक्षा 2025-26

कक्षा - आठवीं

विषय - हिंदी

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश :

- इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - खंड 'क','ख','ग' और 'घ'| सभी खंड अनिवार्य हैं|
- प्रश्न-पत्र में कुल 18 प्रश्न तथा 9 पृष्ठ हैं|
- खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित दो प्रश्न पूछे गए हैं|
- खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण पर आधारित आठ प्रश्न पूछे गए हैं|
- खंड 'ग' में पाठ्य-पुस्तक पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं तथा प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं|
- खंड 'घ' में रचनात्मक लेखन पर आधारित चार प्रश्न पूछे गए हैं तथा प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं|
- दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए|
- प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए|
- उत्तर पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए, जो प्रश्नपत्र में दी गई है|
- प्रश्न-पत्र के पठन हेतु 15 मिनट का अतिरिक्त समय निर्धारित है|
- बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर उनके सही विकल्प तथा पूर्ण उत्तर के साथ लिखिए|

खंड- 'क' (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत आवश्यक है| लक्ष्य के अभाव में उसका जीवन दिशाहीन तथा व्यर्थ होता है| इस बात को हम एक उदाहरण द्वारा भलीभाँति समझ सकते हैं - एक बार एक दिशाहीन युवक महात्मा जी की कुटिया के पास रुका तथा महात्मा जी के पास जाकर बोला, " यह रास्ता कहाँ जा रहा है?" महात्मा जी ने उससे पूछा, "तुम कहाँ

जाना चाहते हो?” युवक ने उत्तर दिया कि वह नहीं जानता कि उसे कहाँ जाना है| तब महात्मा जी ने कहा, “जब तुम्हें पता ही नहीं है कि तुम्हें कहाँ जाना है, तो यह रास्ता कहीं भी जाए, इससे तुम्हें क्या फ़र्क पड़ेगा?” इस संवाद का आशय यह है कि जीवन में हम बिना लक्ष्य के इधर-उधर भटकते रहेंगे और कुछ भी प्राप्त करना हमारे लिए असंभव होगा| इसलिए सबसे पहले हमें अपना एक लक्ष्य बनाना चाहिए तथा आत्मविश्वास व धैर्य के साथ उसे पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए, तभी हम सफलता प्राप्त कर सकते हैं| हमारे देश में ऐसे अनेक महान व्यक्तियों का जन्म हुआ है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियाँ होने पर भी अपने लक्ष्य को पूरा करने के साथ-साथ संपूर्ण विश्व में भारत को गौरवान्वित किया| इनमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आदि शामिल हैं|

(i) लक्ष्य के अभाव में जीवन हो जाता है - **(1)**

(क) दिशाहीन एवं अकर्मण्य (ख) व्यर्थ एवं असफल

(ग) दिशाहीन एवं व्यर्थ (घ) व्यर्थ एवं दिशाभ्रमित

(ii) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए| **(1)**

कथन (A): लक्ष्य के अभाव में जीवन में कुछ भी प्राप्त करना असंभव होता है|

कारण (R) : लक्ष्यहीनता मनुष्य के जीवन में भटकाव का कारण बनती है|

(क) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) गलत, कारण (R) सही है|

(ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) उसकी ठीक व्याख्या नहीं करता।

(घ) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है।

(iii) सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है - **(1)**

(क) ऊँचे लक्ष्य का निर्धारण करना और उसके विषय में सोचना

(ख) लक्ष्य-निर्धारण कर उसे प्राप्त करने के लिए प्रयास करना

(ग) लक्ष्य-निर्धारण कर विपरीत परिस्थितियों की चिंता करना

(घ) लक्ष्य-निर्धारण कर औरों के लिए सही पथ बनाना

(iv) विपरीत परिस्थितियों में महापुरुषों ने अपने लक्ष्य को किस प्रकार प्राप्त किया होगा?(2)

(v) महात्मा ने दिशाहीन युवक को क्या समझाया? **(2)**

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

टेलीविज़न मनोरंजन का एक सशक्त माध्यम है। दिन-प्रतिदिन विश्व में घटने वाली घटनाओं का दर्पण है। ज्ञानवर्धन का सशक्त माध्यम है। विद्यार्थियों को सचित्र शिक्षा देने वाला श्रेष्ठ शिक्षक है। विज्ञापन द्वारा प्रचारित वस्तु की बिक्री वृद्धि का प्रभावकारी ढंग है। दिनभर के परिश्रम के पश्चात् थका-हारा मानव घर पहुँचकर टेलीविज़न का स्विच ऑन करता है, तो अज्ञात स्फूर्ति और उल्लास उसके मन-मस्तिष्क पर उतर आता है, मानो टेलीविज़न के नाम को ही वह मनोरंजन की संज्ञा देने लगा हो। पिक्चर, नाटक, हास्य-व्यंग्य, एकांकी आदि देखने के लिए सिनेमाघर, नाटक-भवन या सांस्कृतिक केंद्रों में जाने की ज़रूरत नहीं। वाहनों के धक्के खाने, टिकटघर की खिड़की की भीड़-भाड़ में पिसने और जेब खाली करने की आवश्यकता नहीं। समय पर पहुँच पाने का झंझट नहीं, टिकट मिल भी सकेगा या नहीं, का मानसिक द्वंद्व नहीं। विश्व में कहीं भी कुछ हुआ, उसकी खबर तो आप अख़बारों में पढ़ लेते हैं, किंतु उसकी हू-बहू घटित घटना को देखकर आपका मन भाव-विभोर हो जाता है। क्रिकेट मैच, हॉकी मैच, 26 जनवरी की परेड, 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री का संदेश आदि सब कुछ आप आँखों से साक्षात् देख रहे हैं। टेलीविज़न ज्ञानवर्धन का अतुलनीय साधन है। पढ़ने-सुनने से जो ज्ञान प्राप्त होता है, वह भूला भी जा सकता है, किंतु जो दृश्य देखा जाता है, वह शीघ्र भूल पाना सहज नहीं होता।

(i) टेलीविज़न दिन-प्रतिदिन विश्व में घटने वाली घटनाओं का दर्पण है क्योंकि - **(1)**

(क) यह ज्ञान प्रदान करने का सशक्त माध्यम है|

(ख) यह घटनाओं को मनोरंजक ढंग से प्रस्तुत करता है|

(ग) यह सभी घटनाओं की सटीक जानकारी देता है|

(घ) यह स्थायी ज्ञान प्रदान करता है|

(ii) टेलीविज़न ज्ञान और मनोरंजन प्रदान करने का किस प्रकार का माध्यम है? **(1)**

(क) दृश्य | (ख) श्रव्य

(ग) दृश्य और श्रव्य | (घ) खर्चीला

(iii) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उत्तर के रूप में उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए| **(1)**

कथन (A): पढ़ने-सुनने से जो ज्ञान प्राप्त होता है, वह भूला भी जा सकता है |

कारण (R): पढ़ने या सुनने से मनुष्य नवीनतम जानकारी नहीं प्राप्त कर सकता|

(क) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) गलत, कारण (R) सही है|

(ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

(घ) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है।

(iv) सिनेमाघरों में जाने के लिए मनुष्य को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था? **(2)**

(v) टेलीविजन को ज्ञानवर्धन का अतुलनीय साधन क्यों कहा गया है? **(2)**

खंड- 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-

(i) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार अथवा अनुनासिक का चिह्न उचित स्थान पर लगाइए- **(1)**

(क) पसद (ख) बासुरी

(ii) निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप का प्रयोग कीजिए- **(1)**

(क) वत (ख) निदयी

(iii) 'निर्भय' तथा 'प्रत्येक' शब्दों में उपसर्ग और मूल शब्द पृथक करके लिखिए| **(2)**

(iv) 'इक' प्रत्यय में मूल शब्द लगाकर नया शब्द बनाइए| **(1)**

4. 'विघ्न' और **'आकाश'** के **दो-दो पर्यायवाची शब्द** लिखिए | **(2)**

5. (i) रिक्त स्थान की पूर्ति कोष्ठक में दिए गए शब्द के **विलोम शब्द** से कीजिए| **(1)**

_____________ऋतु में गरम खाना अच्छा लगता है| **(ऊष्ण)**

(ii) '**स्वतंत्र**' शब्द का **विलोम शब्द** लिखिए| **(1)**

6. (i) निम्नलिखित शब्द की संधि कीजिए- **(1)**

परम+ओजस्वी

(ii) <u>'अन्वेषण' तथा 'देवेश'</u> शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए| **(2)**

7. **(i) उत्प्रेक्षा** अथवा **मानवीकरण** अलंकार का उदाहरण देकर स्पष्टीकरण कीजिए| **(2)**

(ii) निम्नलिखित काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए - (1)

कढ़त साथ ही म्यान तें, असि रिपु तन ते प्रान

8. निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए- (1)

जिसकी तुलना न की जा सके

9. निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त स्थान पर उचित विराम-चिह्न लगाइए- (2)

(i) अंग्रेज़ सरकार के ऐसे छक्के छूटे कि आस पास के राज्यों से सेना बुलानी पड़ी

(ii) मैं चिल्लाया, यह कूड़ा किसने फेंका है

10. नीचे दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए मुहावरों का प्रयोग कीजिए - (2)

(i) उचित मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -

अपने बेटे के अफ़सर बनने की खबर सुनकर माता-पिता ________________|

(ii) **उल्लू सीधा करना** - मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उसका अर्थ स्पष्ट हो जाए|

खंड- 'ग' (पाठ्य-पुस्तक)

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (1x5=5)

जहाँ तक उदारता का प्रश्न है, अपने पड़ोसी के लिए हमारा दिल दरिया रहता है। जिन पुराने जूतों, प्लास्टिक के थैलों और टूटी शीशियों को हमने सालों-साल सँजोया, उन्हें पड़ोसी को दान करने में हमें ज़रा भी संकोच नहीं होता है। ऐसा नहीं है कि दिमाग टोका-टाकी नहीं करता है। अंदर से अपनी बेशकीमती जायदाद ख्वाहमख्वाह पड़ोसी पर लुटाने के विरोध में स्वर उभरता है। हम उसे समझाते हैं कि इतने सारे कबाड़ी इस माल को 'रिजेक्ट' कर चुके हैं, इसे कहीं तो ठिकाने लगाना है। फिर जी कड़ा कर उसे किस्त-दर-किस्त पड़ोसी की झाड़ी पार फेंक देते हैं। हमें ताज्जुब होता है कि वह हमसे उदारता के इस कृत्य के विरुद्ध बहस करता है। कहता है कि जाने कौन जंगली उसके घर में सड़ा-गला कूड़ा फेंक जाता है। यह हमारी सामाजिक उपलब्धि है कि हम एक-दूसरे का नाम लेकर बुरा-भला नहीं कहते हैं। बुरा-भला कहना होता है तो इशारे से कहते हैं। इसीलिए कहावत है कि समझदार को इशारा काफ़ी है। अपन स्वभाव से अहिंसक हैं।

(i) लेखक किस काम को करने में संकोच नहीं करते?

(क) ज़रूरतमंद लोगों को दान-पुण्य करने में

(ख) अपना कीमती सामान दान करने में

(ग) कूड़ा फेंकने पर दूसरों को टोकने में

(घ) अपना फालतू सामान पड़ोसी की झाड़ी पार फेंकने में

(ii) प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर 'दिल दरिया होना' लेखक की किस मनोवृत्ति की ओर संकेत करता है?

(क) उदारता (ख) कंजूसी

(ग) चतुराई (घ) खर्चीलापन

(iii) मनुष्य के किस कृत्य को लेखक ने सामाजिक उपलब्धि माना है?

(क) पड़ोस में कूड़ा फेंकना

(ख) पड़ोसियों से झगड़ा करना

(ग) नाम लिए बिना भला-बुरा कहना

(घ) बेवजह लड़ाई के अवसर तलाशना

(iv) क्या कारण है कि लेखक मूर्खता का अभिनय करते हुए पड़ोसी के घर के सामने कूड़ा फेंकने वाले को डटकर कोसते हैं?

(क) आदर्शवादी व्यक्तित्त्व के कारण (ख) पड़ोसी से लड़ाई से बचने के लिए

(ग) पड़ोसी पर दोषारोपण करने के लिए (घ) दोषी को सज़ा देने के लिए

(v) प्रस्तुत गद्यांश में पड़ोसियों के सामान्य व्यवहार पर कटाक्ष किया गया है| साहित्य में इसे किस विधा के अंतर्गत लिया जाता है?

(क) व्यंग्य (ख) संस्मरण

(ग) रिपोर्ताज (घ) रेखाचित्र

12. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (1x5=5)

एक अकेला ताँगा था दूरी पर
कोचवान की काली-सी चाबुक के बल पर वो बढ़ता था
घूम-घूम जो बलखाती थी सर्प सरीखी
बेदर्दी से पड़ती थी दुबले घोड़े की गरम पीठ पर
भाग रहा वह तारकोल की जली
अँगीठी के ऊपर से।

(i) ताँगे के लिए 'एक अकेला' प्रयोग करके कवि क्या दर्शाना चाहता है?

(क) गर्मी की भीषणता (ख) गर्मी में ताँगे का उपयोग न होना

(ग) यातायात के साधनों का अभाव (घ) ताँगे के महत्त्व को दर्शाना

(ii) 'सर्प सरीखी' किसे कहा गया है?

(क) गर्म सड़क को (ख) चाबुक को

(ग) ताँगा चालक को (घ) टेढ़ी-मेढ़ी सड़क को

(iii) काव्यांश को पढ़कर कोचवान के घोड़े के प्रति किस प्रकार के व्यवहार का पता चलता है?

(क) संवेदनशील (ख) असंवेदनशील

(ग) मित्रवत (घ) दयालु

(iv) चाबुक के बल पर पर घोड़े के आगे बढ़ने के द्‌वारा कवि क्या इंगित करना चाहता है?

(क) पशुओं के साथ किए जाने वाले अमानवीय व्यवहार को

(ख) पशुओं की शारीरिक क्षमता तथा अड़ियल व्यवहार को

(ग) घोड़े की पीठ पर पड़ने वाले चाबुक की मज़बूती को

(घ) ताँगा चलाने वाले कोचवान की शारीरिक शक्ति को

(v) 'घोड़े की गर्म पीठ' के माध्यम से कवि क्या दर्शाना चाहता है?

(क) घोड़ा की विवशता (ख) घोड़े की अस्वस्थता

(ग) भीषण गर्मी का प्रकोप (घ) ताँगे वाले की निर्दयता

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्ही पाँच</u> प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए- (2x5=10)

(i) अल्लूरी श्रीराम राजू के व्यक्तित्त्व की किन विशेषताओं ने उसे कोया आदिवासियों का नेता बना दिया? 'अन्याय के खिलाफ़ लड़ाई' पाठ के आधार पर लिखिए|

(ii) सुदृढ़ चरित्र के अभाव में व्यक्ति किन असामाजिक प्रवृत्तियों का शिकार हो जाता है? 'बातचीत की कला' पाठ के आधार पर लिखिए|

(iii) 'गाँधी जी उपदेशक नहीं कर्मयोगी थे?' 'आश्रम के अतिथि और संस्मरण' पाठ से उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए|

(iv) उत्तरी ईरान में दारा जैसे बुद्धिमान और समझदार शासक की आवश्यकता क्यों थी? 'असल धन' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए|

(v) बातचीत की कला में निपुण होना क्यों आवश्यक है? 'बातचीत की कला' पाठ के आधार पर लिखिए|

(vi) 'असल धन' पाठ में दारा का व्यक्तित्व आपको क्या संदेश देता है?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए -

(2x3=6)

(i) कबीर जी ने सच्चे साधु की परख करने के लिए किस उदाहरण का प्रयोग किया है और क्यों? 'दोहे' के आधार पर लिखिए|

(ii) सत्संगति का मनुष्य के जीवन में क्या महत्त्व है? 'रहीम के दोहों' के आधार पर लिखिए|

(iii) 'होती सीमाहीन क्षितिज से, इन पंखों की होड़ा-होड़ी' - 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता के आधार पर इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए|

(iv) कवि ने पक्षियों की किस व्यथा का उल्लेख किया है? इसके पीछे कवि का क्या उद्देश्य निहित है? 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए|

खंड- 'घ' (रचनात्मक लेखन)

15. निम्नलिखित में से <u>किसी एक</u> विषय पर (80-100 शब्दों में) अनुच्छेद लिखिए - (5)

(i) छुट्टियों में जब मैं गाँव गया/गई

* गाँव की शांत जीवन-शैली
* गाँव के लोगों का अपनापन
* प्रकृति से निकटता

(ii) प्रेम और खुशियों का संदेश देते हैं त्योहार

* विभिन्न धर्मों के त्योहार
* विभिन्न त्योहारों का महत्त्व
* प्रेम और संबंधों में मधुरता लाने का माध्यम

(iii) विज्ञान वरदान भी, अभिशाप भी

* जीवन और विज्ञान का अटूट संबंध
* जीवन को सरल बनाने में योगदान
* प्रकृति एवं जीवन के विनाश के लिए उत्तरदायी

16. आप अर्णव/कृतिका है। आपके क्षेत्र में आवारा पशुओं के सड़कों पर खुले घूमने के कारण स्थानीय निवासियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए तथा पशुओं के रहने के लिए उचित व्यवस्था करने का अनुरोध करते हुए अपने क्षेत्र के नगर-निगम अधिकारी को पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

इस बार ग्रीष्मावकाश में आपने एक कविता/कहानी लिखी| कविता/कहानी को लिखने के अपने अनुभव और उस से प्राप्त आनंद के विषय में बताते हुए अपने मित्र/सखी को पत्र लिखिए।

17. अपने छोटे भाई/बहन को घर के काम-काज में माताजी की सहायता करने के लिए प्रेरित करते हुए उसके साथ हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।

अथवा

दो खिलाड़ियों की परस्पर बातचीत को संवाद शैली में लिखिए। **(5)**

18. आप अपने विद्यालय के छात्र संघ के सचिव प्रेरणा/प्रांजल हैं। अध्यापक दिवस के अवसर पर आपके विद्यालय में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सभी विद्यार्थियों को इसकी जानकारी देते हुए सूचना लिखिए।

अथवा

आप 'पहल' नामक सामाजिक संस्था के सचिव संस्कार/संस्कृति हैं। आपके क्षेत्र में गरीब बच्चों की सहायता के लिए कपड़े, खिलौने और पुस्तकें दान करने हेतु दान-शिविर लगाया जा रहा है| अपने क्षेत्रवासियों को बढ़-चढ़कर दान देने और शिविर को सफल बनाने के लिए आमंत्रित करते हुए एक सूचना तैयार कीजिए। **(5)**

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

अंक-विभाजन तथा उत्तर-संकेत

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल - दिल्ली, एन.सी.आर.

अर्धवार्षिक परीक्षा 2025-26

कक्षा - आठवीं

विषय - हिंदी

अधिकतम अंक - 80

निर्देश : यदि ऐसा कोई उत्तर जो परीक्षार्थी ने ठीक लिखा हो, परंतु निम्नलिखित उत्तर-संकेत में सम्मिलित न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ|

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु	मुख्य बिंदु हेतु अंक	कुल अंक
	खंड- 'क' (अपठित बोध)		
1.	**अपठित गद्यांश** (i) (ग) दिशाहीन एवं व्यर्थ (ii) (क) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है। (iii) (ख) लक्ष्य-निर्धारण कर उसे प्राप्त करने के लिए प्रयास करना (iv) • अपना एक लक्ष्य निर्धारित करके • आत्मविश्वास व धैर्य के साथ उसे पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास द्वारा (v) • जीवन में हम बिना लक्ष्य के इधर-उधर भटकते रहेंगे और कुछ भी प्राप्त करना हमारे लिए असंभव होगा| • इसलिए अपना एक लक्ष्य बनाना आवश्यक है|	1 1 1 2 2	7
2.	**अपठित गद्यांश** (i) (ग) यह सभी घटनाओं की सटीक जानकारी देता है| (ii) (ग) दृश्य और श्रव्य (iii) (घ) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है।	1 1 1	

	(iv) • वाहनों और यातायात से संबंधित परेशानी, टिकटघर की खिड़की की भीड़-भाड़ से परेशानी, • अनावश्यक खर्चा, समय पर न पहुँच पाने का डर • टिकट मिल भी सकेगा या नहीं, का मानसिक द्वंद्व बना रहता है। (v) • टेलीविज़न ज्ञान का अतुलनीय साधन है क्योंकि पढ़ने-सुनने से जो ज्ञान प्राप्त होता है, वह भूला भी जा सकता है, किंतु जो दृश्य देखा जाता है, वह शीघ्र भूल पाना सहज नहीं होता। • विश्व में घटित घटनाओं की तुरंत एवं सटीक जानकारी|	2 2	7
	खंड- 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)		
3.	(क) (i) पसंद (ii) बाँसुरी (ख) (i) व्रत (ii) निर्दयी (ग) उपसर्ग - निर्, मूल शब्द - भय उपसर्ग - प्रति, मूल शब्द - एक (घ) समाज+इक = सामाजिक/ इतिहास+इक = एतिहासिक अथवा अन्य उचित शब्द भी स्वीकार्य	1 1 1+1 1	5
4.	विघ्न - बाधा, रूकावट आकाश - आसमान, गगन (अन्य उपयुक्त पर्यायवाची शब्द भी मान्य हैं)	1+1	2
5.	(क) शीत (ख) परतंत्र	1 1	2
6.	(क) परमोजस्वी (ख) अनु+एषण, देव+ईश	1 1+1	3

7.	(i) सोहत ओढ़ें पीत पटु, स्याम सलौने गात। मनौ नीलमनि सैल पर आतपु पौ प्रभात।। - यहाँ भगवान कृष्ण के सुंदर साँवले शरीर और उनके पीले वस्त्र उपमेय हैं, जिनमें क्रमशः नीलमणि पर्वत और प्रभातकालीन सूर्य की सुनहरी धूप जैसे उपमान की कल्पना की गई है। अतः यहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार है। अथवा 'सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।' - इस पंक्ति में समुद्र की लहरों को नृत्यांगनाओं के समान नाचते और गाते हुए दिखाया है। नाचना-गाना मानवीय चेष्टाएँ हैं। अतः यहाँ मानवीकरण अलंकार है। (अन्य सार्थक उदाहरण स्वीकार्य हैं) (ii) अतिशयोक्ति अलंकार	1+1 1	3
8.	अतुलनीय	1	1
9.	(i) अंग्रेज़ सरकार के ऐसे छक्के छूटे कि आस-पास के राज्यों से सेना बुलानी पड़ी | (ii) मैं चिल्लाया, "यह कूड़ा किसने फेंका है?"	1 1	2
10.	(i) फूले न समाए (ii) विदयार्थियों की स्वतंत्र, सार्थक अभिव्यक्ति	1 1	2
	खंड- 'ग' (पाठ्य-पुस्तक)		
11.	(i) (घ) अपना फालतू सामान पड़ोसी की झाड़ी पार फेंकने में (ii) (ग) चतुराई (iii) (ग) नाम लिए बिना भला-बुरा कहना (iv) (ख) पड़ोसी से लड़ाई से बचने के लिए	1 1 1 1	5

	(v) (क) व्यंग्य	1	
12.	(i) (क) गर्मी की भीषणता (ii) (ख) चाबुक को (iii) (ख) असंवेदनशील (iv) (क) पशुओं के साथ किए जाने वाले अमानवीय व्यवहार को (v) (ग) भीषण गर्मी का प्रकोप	1 1 1 1 1	5
13.	**(कोई पाँच)** (i) • मिलनसार व गरीबों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यक्तित्व • गाँधी जी के विचारों से प्रेरित • साहसी व प्रेरणादायक नेतृत्व • सत्य की ओर अग्रसर रहने वाला	2	
	(ii) • हिंसा, द्वेष , घृणा, भ्रष्टाचार ,कलह, धोखाधड़ी , दुराचार आदि • सभी अवगुणों से ग्रस्त हो जाता है जो कि उसके जीवन को अंधकार की गर्त में गिरा देते हैं |	2	
	(iii) • उपदेश देने में नहीं अपितु कर्म में विश्वास अर्थात जो कुछ भी कहते हैं उसे स्वयं अपने जीवन में आत्मसात करते| • विदेशी वस्तुओं का त्याग व स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग को प्राथमिकता| • आश्रम में बनाए नियमों का सभी पर एक समान प्रभाव| • कद्दू की सब्जी अथवा उपवास रखने से संबंधित घटना|	2	10

	(iv) • उत्तरी ईरान की शासन-व्यवस्था बिगड़ चुकी थी, भ्रष्टाचार और अराजकता का माहौल| • वहाँ की न्याय-व्यवस्था को वापिस से सुदृढ़ करने हेतु |	2	
	(v) • अपने व्यवहार तथा योग्यता में कुशलता प्राप्त करना • अपने निर्धारित लक्ष्य में उन्नति प्राप्त करना • शिक्षण-प्रशिक्षण केंद्रों, सामाजिक, सांस्कृतिक सभा, समारोहों, विक्रय केंद्र आदि क्षेत्रों में खुद को लाभान्वित करवाना|	2	
	(vi) • घमंड न करने • बिना स्वार्थ व लालच के सदैव दूसरों की मदद को तत्पर रहने का • ज्ञान, समझ व बुद्धिमत्ता से प्रत्येक समस्या को हल करने का • ईमानदारी से अपने कर्तव्य को निभाने का	2	
14.	**(कोई तीन)** (i) • तलवार और म्यान का • साधु की परख उसके ज्ञान, कर्म, व्यवहार व आचरण से होनी चाहिए ना कि जाति व बाहरी व्यक्तित्व से|	2	
	(ii) • कदली, सीप, भुजंग आदि पर यदि स्वाति नक्षत्र की बूँदें गिरती है तो क्रमशः कपूर ,मोती व विष में परिवर्तित होती है | • जैसी संगति वैसा ही परिणाम • अच्छी संगति तो सकारात्मक प्रभाव और बुरी संगति तो नकारात्मक प्रभाव |	2	6

	(iii) • पूर्ण स्वतंत्रता तथा शक्ति मिल जाए • क्षितिज तक उड़ान भरने की अभिलाषा • सबसे आगे निकलने की होड़ | (iv) • बंधन युक्त जीवन की पीड़ा • पिंजरबद्ध होने के कारण स्वतंत्र उड़ान में विघ्न • स्वतंत्रता सबसे बड़ा सुख है | • किसी भी जीव को उसकी इच्छा के विरुद्ध रखना अमानवीय	2 2	
15. 16. 17. 18.	अनुच्छेद • भूमिका • विषय वस्तु • भाषायी शुद्धता पत्र • प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ • विषय-वस्तु • भाषायी शुद्धता संवाद • विषय-वस्तु / अभिव्यक्ति • संवादों की क्रमबद्धता • भाषायी शुद्धता सूचना लेखन • प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ • विषय-वस्तु • भाषायी शुद्धता	 1 3 1 1 3 1 1 3 1 1 3 1	 5 5 5 5